



**VISIONIAS**  
INSPIRING INNOVATION  
**ABHYAAS MAINS**

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (4513)**

निर्धारित समय: तीन घंटे  
Time Allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250  
Maximum Marks: 250

**सामान्य अनुदेश**

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

**General Instructions**

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 01430179

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : SAMIKSHA DWIVEDI

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी  
Medium: Hindi/English

ENGLISH

तारीख  
Date

27/7/25

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)  
GENERAL STUDIES (Paper IV)**

केंद्र  
Centre

MRC  
INDORE

निरीक्षक के हस्ताक्षर  
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;"><b>महत्वपूर्ण अनुदेश</b></p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;"><b>Important Instructions</b></p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

**प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))**

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
<b>सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)</b>					



**VISIONIAS**  
INSPIRING INNOVATION  
**ABHYAAS MAINS**

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (4513)**

निर्धारित समय: तीन घंटे  
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: **250**  
Maximum Marks: **250**

**प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश**

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

**QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS**

*Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:*

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*All questions are compulsory.*

*The number of marks carried by a question/part is indicated against it.*

*Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.*

*Keep the word limit indicated in the questions in mind.*

*Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.*

## EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. (a)

करुणा, दूसरे के दुःख को अपना दुःख मानकर उसे महसूस करने तथा उस संबंध में कार्रवाई करने का साहसी विकल्प है, तब भी जब मौन रहना अधिक सुरक्षित हो और उदासीनता दिखाना अधिक सहज हो। भारत में सिविल सेवकों के लिए एक आवश्यक नैतिक मूल्य के रूप में करुणा के महत्व का परीक्षण कीजिए। उपयुक्त उदाहरणों के साथ अपने उत्तर को स्पष्ट कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Compassion is the courageous choice to feel another's suffering as one's own, and to act upon it, even when silence is safer and indifference is easier. Examine the significance of compassion as an essential ethical value for civil servants in India. Illustrate your answer with suitable examples. (Answer in 150 words)

10

Compassion is an action beyond empathy, where the person does not only feel but also acts to alleviate suffering by undertaking measures

Significance of Compassion for Civil Servants

→ Protects vulnerable sections

Ex: IAS Inayat Khan adopted children of martyred soldiers

→ Improves Governance

Ex: IAS Dnyu Derarajan learned Gondi to communicate with Gondi tribals

→ Contributes to Society

Eq IPS Santosh Kumar Mishra teaches poor kids in free time

→ Seeks justice for weaker section

Eq IAS Pragna Joshi got justice for raped minor suffering from disability

→ Mobilise public for good cause

Eq SR Sankararam fought for rights of manual scavengers post retirement

→ Undertake Innovation

Eq Surendrasingh Tolanki (IAS) created solar lamp project to make women green entrepreneur.

However, compassion must go along with objectivity as foundational value.

"Love & compassion are not luxuries but necessities of life" - Dalai Lama.

1. (b)

भारत में विवाह पारंपरिक संस्कारों से हटकर अधिक स्वायत्त संबंधों की ओर अग्रसर हो रहे हैं, जो लिव-इन रिलेशनशिप की बढ़ती प्रवृत्ति और बढ़ती तलाक दरों से परिलक्षित होता है। इन परिवर्तनों के नैतिक आयामों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Marriages in India are transitioning from traditional sacramental unions to more autonomous relationships, reflected in live-in relationships and rising divorce rates. Discuss the ethical dimensions of these changes. (Answer in 150 words) 10

The average age of marriages has increased to 22 overall & beyond 25 in urban & educated sections, reflecting deep societal changes in terms of their significance

Ethical Aspects of Changing Nature of Marriages

Positive

→ Ethical Egoism | Ayn Rand supports

self interests for overall welfare

(Eg) Marriage for compatibility & love for society

→ Uphold Mill's Harm Principle — allow people to

live how they want (liberty) if noharm

(Eg) live in relationships for emotional satisfaction

→ Constitutionalism uphold A-14 &

A-19 & A-21

eg) Divorce to marital rape victim or  
victim of domestic abuse

Negative

→ Vulnerable minority of children

Affects child socialisation from family

eg) Research of increased mental health  
illness in children of separated  
families.

→ Categorical Imperative - Theory of end

eg) Youth using people as means for oneself  
then end → Temporary dating/partner

→ Break down of traditions & dilution

of Indian heritage of family system  
& collectivism.

The underlying value should be "Atmanah  
Pratikulam Pareshe na sahaet" (Don't do  
unto others what you don't want) but aligned with  
universalistic values & humanitarianism

2. (a)

यद्यपि जवाबदेही के लिए प्रायः प्रलेखन आवश्यक होता है, लेकिन नौकरशाही प्रक्रियाओं और अत्यधिक कागजी कार्रवाई पर अधिक बल देने से अनजाने में उन आवाजों को दबाया जा सकता है जिन्हें लोक नीति, विशेष रूप से जमीनी स्तर पर, सशक्त करना चाहिए है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ उपर्युक्त कथन का परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

While accountability often necessitates documentation, an overemphasis on bureaucratic procedures and excessive paperwork can inadvertently silence the very voices that public policy intends to empower, particularly at the grassroots. Examine the above statement with suitable illustrations. (Answer in 150 words)

10

The deep emphasis on 'procedures work' is called "bureaucratic morality" which often conflicts with "constitutional morality" where people are end.

How Bureaucratic morality compromises with public policy essence

• Ignores contextuality of ethics

(eg) Denial of PDS ration to young girl <sup>staring</sup> without ration card (died later)

• Compromises with Antyodaya &

Sarodaya

(eg) MGRERA name deletions due to lack of Aadhar (violates judgement in Aadhar case)

- Compromises Plato's Philosopher King

concept exclusion of needy yet ineligible

(Eg) old couple from scheme

- Supports red tapism and procedural

delays

(Eg) Affects Ease of Doing Business

- Causes underutilization of funds

(Eg) MPLADS scheme

• Use of discretion by Civil servants

→ crowd funding (Eg) Smita Sabanna (IAS)

Build your city

→ Ethical exemption to needy sections

The civil servants need to act as transformational leaders by upholding the values of CNP's good governance and not bound by lines of laws that do injustice

2. (b)

निष्पक्षता के सिद्धांत का कभी-कभी वंचित समुदायों के प्रति करुणा की आवश्यकता के साथ टकराव हो सकता है। भारत में सिविल सेवाओं के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The principle of impartiality may conflict with the need for compassion towards marginalized communities. Discuss in the context of civil services in India. (Answer in 150 words) 10

Impartiality refers to fair treatment of all stakeholders. It aligns with idea of moral universalism & application of rule of law.

Impartiality conflicts with compassion

→ justifies inertian Bureaucracy  
Emotional distance from people  
to uphold objectivity

→ violates last mile reach principle

Blind adherence to rule of law  
against vulnerable section

(eg) no timeline extension for accident victims in govt scheme registration

→ violates constitutional morality  
uphold equity approach and affirmative  
action in A-14, A-15 & A-16

→ violates moral relativism &  
contextuality of ethics

Req Displacing tribals for govt  
project without compensation

→ Affects social capital of government  
lack of support by people in govt  
projects Req defeat of Congress post 1977  
emergency

→ The compassion & impartiality must  
be balanced where people's benefit  
is used as end & uphold Kautilya's  
idea of 'paternal kingship'

3.

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a)

"किसी राष्ट्र की ताकत उसके घर की अखंडता से उत्पन्न होती है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"The strength of a nation derives from the integrity of the home." - Confucius (Answer in 150 words)

10

The quote by Confucius rightly shows a "nation is as strong as its people" and the "collaboration" they have with peaceful coexistence.

Why is it so

→ Helps in developing social capital

eg Diversity & unity in India

→ Opposes any external interference

together eg unity in India during operation Indus

→ Forwards moral & material progress

eg merit-based opportunities in USA made it super power.

→ Protects rights of vulnerable sections

⊕ Eg Pakistan's & Bangladesh's failure to protect minority affects national development

→ Peace & stability Helps in maintaining

democracy

⊕ Eg African nations (Mali, Niger) suffer coups & military dictatorship

How to harness integrity of Home

→ Inclusive growth — equal opportunity

to all sections ⊕ Affirmative actions by Indri

→ Tolerance of different ideas & belief

⊕ Vikalanend — "we must not only tolerate but accept"

→ Innovation — acceptance & experimentation of new ideas ⊕ Industrial Revolution Britain

Thus, a strength of a nation depends on peace, liberty, equality & justice of its people promoting development & advancement

3. (b)

"उसी नियम के अनुसार आचरण करें जिसके बारे में तत्क्षण आप सार्वभौमिक विधि बनाने का संकल्प कर सकें।"-

इमानुएल काण्ट (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Act only according to that maxim through which you can at the same time will that it become a universal law."- Immanuel Kant (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

The quote shows the essence of Kant's Categorical Imperative where every action should pass law of universality.

Why so

→ Upholds preminence of means over end

(eg) Gandhiji's Satyagraha with non violence for freedom

→ Move towards 'moral universalism'

(eg) UDHR upholds natural rights of citizens

→ support certainty & predictability in

governance (eg) 'Rex Rex' approach  
Law is King not "King is

law". → supports rule of law

## Counter to Kant's imperative

→ Ethics is contextual depends on temporal, spatial & individualistic factors

⊕ Bigamy moral unethical in some religion but allowed in some

→ Existence of Moral Relativism depends on some instrumental values

→ 'Rawls Justice' - Difference principle

⊕ Diversity & Inclusion quota for US universities for races (subjugated in past)

## Final Goal

Should be to move towards moral universalism by using and harnessing relative values.

⊕ uphold liberty, equality, fraternity

Kant's idea of universalism upholds ultimate goal of humanity of justice but use of relative transcendental values should not be neglected

3. (c)

“हम न केवल उसके लिए जिम्मेदार होते हैं जो हम करते हैं, बल्कि उसके लिए भी जिम्मेदार होते हैं जो हम करने में विफल रहते हैं।” - मोलियर (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

“We are not only responsible for what we do, but also for what we fail to do” - Molière. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हदिये में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

The quote shows the failure to do one's duty is one's responsibility but also not upholding certain moral paradigms in duty is also a failure

This quote holds true in context of 'minimalistic governance' of certain civil servants, who may be doing bare minimum duties but not the unsaid moral obligations

① Civil servant → should reclaim illegal encroachment (responsibility)

But failure to create necessary living arrangements for displaced shows failure to uphold moral duty.

Alongside, not engaging in corruption is bare minimum from a public officer. But not taking actions against colleagues against corruption shows responsibility of failure to act.

However, failure to act in some instances is not unethical. It can reflect calibrated approach.

For instance, CTI Chandrachud did not confer right to marriage to LGBT+ in Supriya Case due to social disruption despite moral reasoning & ethnicity.

Similarly, India practices strategic autonomy for nation's interest & does not take sides in wars.

Thus, morality of action & inaction depends on context. But action must be taken to protect vulnerable & uphold rule of law.

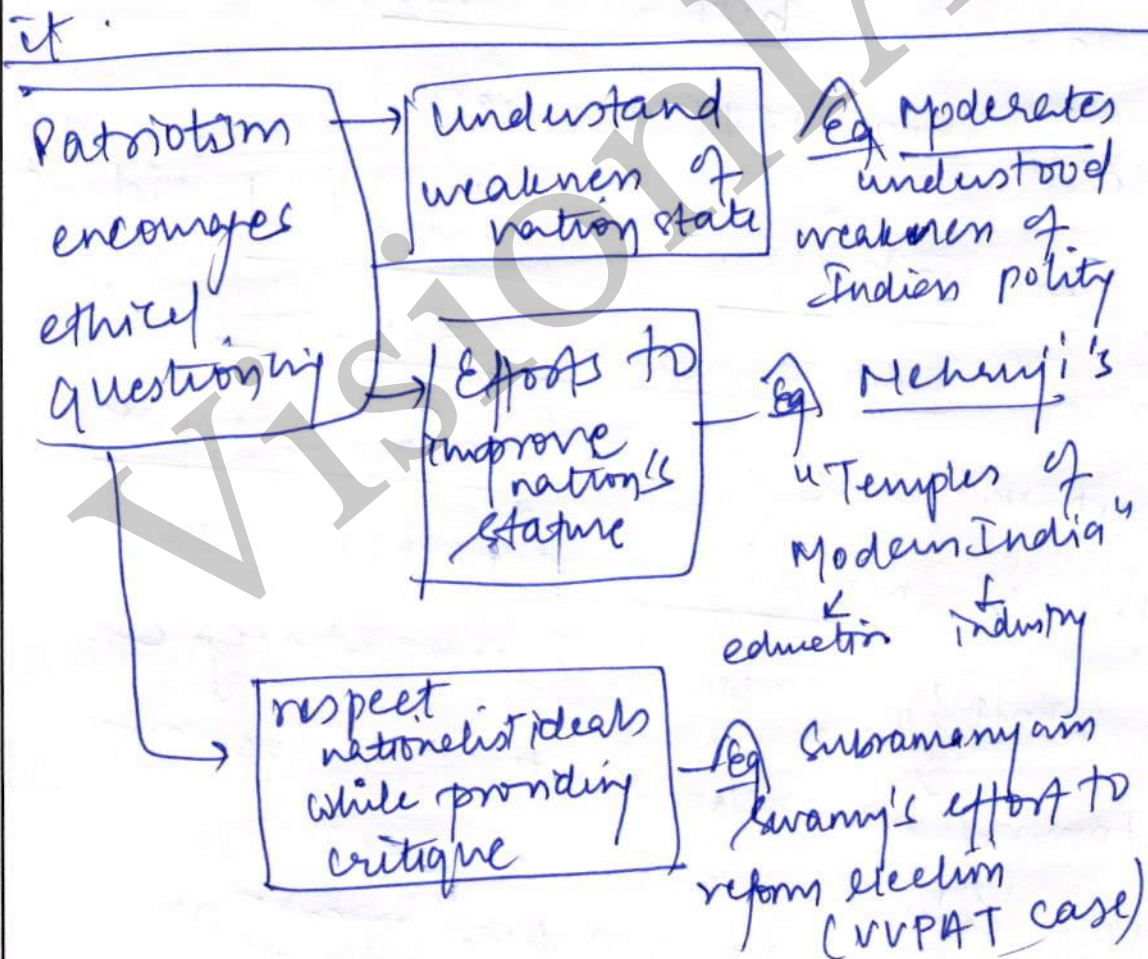
4. (a)

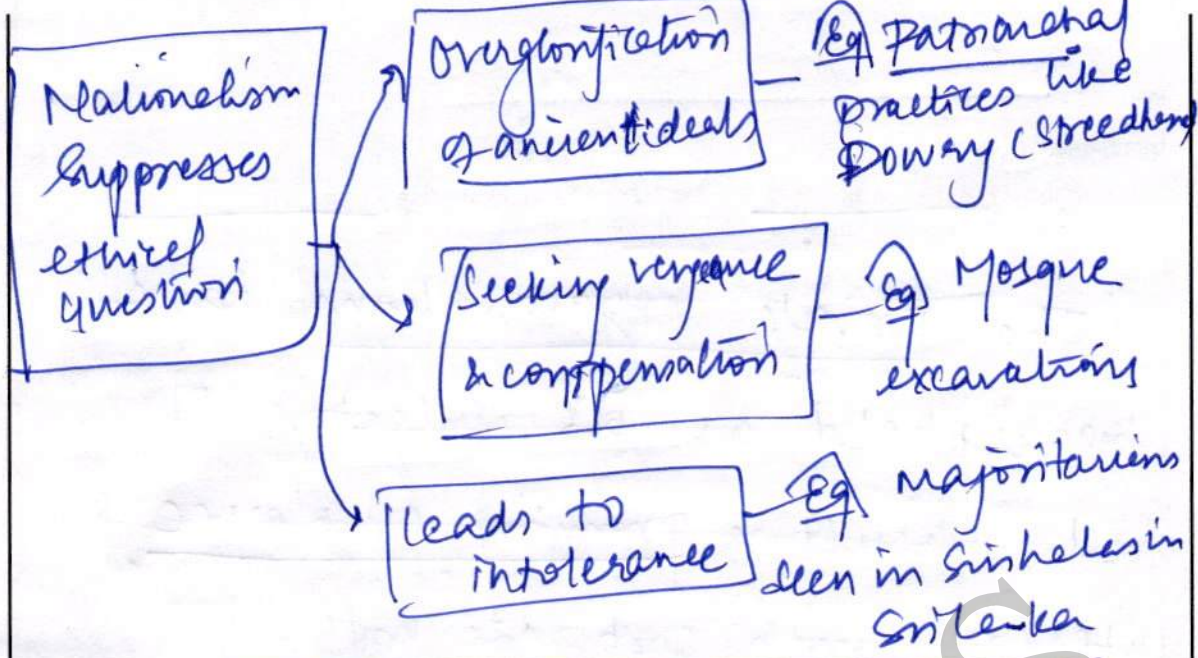
देशभक्ति नैतिक प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करती है, जबकि राष्ट्रवाद प्रायः इसका दमन करता है। अत्यधिक दबाव वाली राष्ट्रीय घटनाओं के दौरान राजनीतिक अभिवृत्तियों के विकास के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा कीजिए। व्यक्ति ऐसी नैतिक अभिवृत्तियों को किस प्रकार विकसित कर सकते हैं, जो राष्ट्रीय हित और नैतिक तर्क के बीच संतुलन स्थापित करें? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Patriotism encourages ethical questioning, while nationalism often suppresses it. Discuss this statement in light of the formation of political attitudes during high-pressure national events. How can individuals develop moral attitudes that balance national interest with ethical reasoning? (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

Patriotism involves unwavering love to one's country while nationalism is attachment to idea of nation & glorifying it.





Individuals to develop balance of Patriotism & ethical reasoning

- Family Socialisation — Eg "My name is Khan" — Mother message of good & bad person not religious difference
  - Education — Secularisation of religion
    - ↳ learning — weakness & strength of country
    - ↳ critical analysis
  - Media — Independent & fourth pillar with fair & unvested critical analysis
  - Peer Group — motivated to contribute to country but report any misdeed (Eg satyendra Dubey)
- Nationalism should not transform to 'Jingoism' but allow critical thinking for the nations of young minds to grow

4. (b)

चर्चा कीजिए कि निजी संगठनों में कर्मचारी कल्याण और निष्पक्षता को दक्षता एवं लाभप्रदता के साथ किस प्रकार संतुलित किया जा सकता है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how employee well-being and fairness can be balanced with efficiency and profitability in private organisations. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्शिय में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

The private organisations have been upheld as promulgator of good work culture promoting employee's interest with corporate interests.

Actions by private organisation

→ Inclusivity (eg) special care for women friendly spaces by Verizon India

→ Counselling - presence of mental health expert for wellbeing of employees (eg) Infosys

→ Team Building - outside visits & interaction for friendly & amicable relationships (eg) Google India

→ Leisure Activity have a game room  
& leisure space for employee break  
time

→ Flexibility provide work from  
home & hybrid work culture

Eg support young mothers  
improves productivity

→ Corporate Social Responsibility  
Enhance actualisation of employees in  
social activities Eg) Pravartan HDPC

→ Promotion, Rewards & incentive  
Are based on merit & performance  
Has 360° appraisal & milestone approach.

The private sector should also focus  
on adequate time of work (50h/week optimum  
- Stanford study), inclusivity (Inclusive  
section - SC/ST) and diversity for holistic  
work culture.

5. (a)

क्या आप इस बात से सहमत हैं कि सोशल मीडिया और उभरती हुई ए.आई. प्रौद्योगिकियों के अत्यधिक उपयोग से किशोरों में भावनात्मक नियमन और नैतिक संवेदनशीलता में कमी आ सकती है? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Do you agree that excessive use of social media and emerging AI technologies may lead to a decline in emotional regulation and moral sensitivity among adolescents? Justify your answer. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हार्जिन में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

10

Around 80% of adolescents in India are in social media & internet as per IAMA 2023 survey, creating future complications in kids.

Impact of AI-social media on emotion & moral sensitivity

Negative (Decline)

→ Reduced to digital socialisation

Physical connection has reduced

(Eg) obsession with reels

→ AI as mental health support

Scenario of using ChatGPT to reduce

loneliness

→ Cyberbullying increasing digital

mocking of adolescents can affect self esteem.

Peer pressure and herd mentality

→ Become cynical - increased exposure to negative content (eg) Ganga was climate change  
↳ Trigger mental health crisis

Positive → Increased sensitisation to issues

(eg) #unlearn with us to reduce stereotypes

→ Motivation & cyber-tribe

connection with like minded people & group activity (eg) online yoga

→ Enhanced awareness of other's life

(eg) Deepika Padukone's mental health message → motivation to talk

The social media as bane / boon depends on use, need is 'social intelligence' and awareness for adolescents to critically filter the information & use productively.

5. (b)

भारत में छात्रों में आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं के आलोक में, चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता (ई.आई.) तनाव और भावनात्मक चुनौतियों के प्रबंधन में किस प्रकार सहायता कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In light of the increasing incidents of suicides among students in India, discuss how Emotional Intelligence (EI) can aid in managing stress and emotional challenges. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

Recent suicides of students like Rohit Verma in notable organisations like IITs & NITs underlines need of stress & emotional regulation

Role of Emotional Regulation in Intelligence  
Stress & Emotional Management

• Self Awareness — Retrospect & analyse causes of one's emotion & focus on rationalisation of emotions & stress  
"Buddha" anger — coal held by one's hand to throw on other but hurts self"

• Self Regulation manage one's emotion by delay & introspection

"Best remedy of anger is delay"

Eg) suicides done in heat of moment

Empathy Develop understanding for one's perpetrator & loved ones  
(Eg) 3 Idiots - K. Madhavan thought of parents of thought of suicide

Motivation Develop hope & optimism of life - opportunities in future  
not remain limited by past failures  
(Eg) Sumita Mishra opened heaven to support rape victims (after being harassed herself)

Social Skills - Ability to express one's concerns and feelings to others  
- Through counseling sessions (Eg Tele Home)  
- Support groups

Suicide is never an option, "past is gone, future is uncertain, present is what we have & should make best of it, as it is a gift".

6. (a)

लोक सेवा में, भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अर्थ भावनाओं को दबाना नहीं, बल्कि समानुभूति और शक्ति के साथ दूसरों से जुड़ने, तनाव या टकराव शांत करने तथा उनका उत्थान करने के इसके उद्देश्य में निपुणता प्राप्त करना है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In public service, emotional intelligence is not about suppressing emotion, but mastering its purpose — to connect, to de-escalate, and to uplift others with empathy and strength. Do you agree with this view? Discuss. (Answer in 150 words) 10

Emotional Intelligence as per Daniel Goleman is ability to understand one's emotion & understand others & utilise emotion in most productive way.

Significance of EI in public service

→ Connect (i) create public mental projects (eg) Compassionate Kojikode by Prashant ask for donation to people

2) Form social capital with EI used as social intelligence

(eg) Faham Muntaz Created Elderly Club against Elder Isolation

→ Deescalate → 1. Reduce conflict

among different groups

(eg) management of communal  
Operation system by Kerala

2. Calibrated action in wars

(eg) India - Pakistan deescalated  
in Operation Sindoor part Indians  
calibrated response to terrorism

→ Uplift Others → 1. Develop welfare

policies for vulnerable section

(eg) Sandeep Mandru's Cafe Able employing  
PwDs

2. Protect vulnerable section

(eg) S. Someshwaram installed office A/Cs in  
Maternity centres

THREAT helps in perseverance &  
motivations to encourage reforms &  
create social capital in people for overall  
welfare -

6. (b)

एक कुशल कार्य संस्कृति का निर्माण केवल नियमों पर नहीं, बल्कि साझा मूल्यों पर आधारित होता है। इस संदर्भ में, किसी संगठन के भीतर कार्य संस्कृति को परिवर्तित करने में नेतृत्व और टीम के पारस्परिक व्यवहार के तरीके की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

An efficient work culture is built not only on rules, but on shared values. In this context, evaluate the role of leadership and team dynamics in transforming work culture within an organization. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस क्राशिए में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

10

Work Culture is values, practices & conventions that decides interactions of superiors, employees & peers, adequately affected by team leadership.

Role of leadership in work culture

→ Transformational leadership

Motivate employees do better

Eg Satish Dhawan support A.P.J. Abdul Kalam

→ Innovation & Risk

Develop risk taking capabilities

& allow failures

Eg Google Bard - Sundar Pichai

→ Promote Merit through incentives & rewards

## Team Dynamics

- Collaboration on confrontation
- Support
- friendship
- professionalism

Thus, work culture supported by leadership helps in good environment.

आप एक राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं। हाल ही में, सरकार ने कई नागरिक-केंद्रित डिजिटल सेवाएं लागू की हैं, जिनके माध्यम से बड़ी मात्रा में निवासियों से व्यक्तिगत डेटा एकत्र किया जा रहा है। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (DPDP) अधिनियम, 2023 के अनुसार, ऐसे डेटा को केवल स्पष्ट और सूचित सहमति के साथ ही संसाधित किया जाना चाहिए और यदि व्यक्ति अपनी सहमति वापस ले लेता है, तो डेटा का संसाधन तुरंत रोकना अनिवार्य है।

एक आंतरिक ऑडिट के दौरान, आपको पता चलता है कि विभाग कई नागरिकों के व्यक्तिगत डेटा को उनके द्वारा अपनी सहमति औपचारिक रूप से वापस लेने के बावजूद संसाधित और विश्लेषित कर रहा है। इस डेटा का उपयोग नीति विश्लेषण और सेवा सुधार जैसे उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है, जो डेटा एकत्र करते समय स्पष्ट रूप से बताए नहीं गए थे। जब आप इस मुद्दे को विभाग प्रमुख के संज्ञान में लाते हैं, तो आपको बताया जाता है कि डेटा संसाधन को रोकने से चल रही डिजिटल पहलें बाधित हो सकती हैं और राज्य स्तर के प्रदर्शन संकेतक प्रभावित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आपको यह भी पता चलता है कि सहमति वापसी की प्रक्रिया अत्यधिक जटिल है और अधिकांश नागरिकों को डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत प्रदत्त अपने अधिकारों की जानकारी नहीं है।

आपको यह भी पता चलता है कि एक प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता व्यक्तिगत डेटा के बिना सहमति के उपयोग के विरुद्ध डेटा संरक्षण बोर्ड में शिकायत दर्ज कराने की योजना बना रहा है, जिससे विभाग के विरुद्ध सार्वजनिक जांच और विधिक कार्रवाई हो सकती है।

- इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों की पहचान करते हुए उन पर चर्चा कीजिए।
- यदि इस मुद्दे का पारदर्शी तरीके से समाधान नहीं किया गया तो विभाग के लिए संभावित परिणाम क्या हो सकते हैं?
- आप कुशल लोक सेवा वितरण की आवश्यकता और नागरिकों के डेटा अधिकारों की सुरक्षा के दायित्व के बीच किस प्रकार संतुलन स्थापित करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

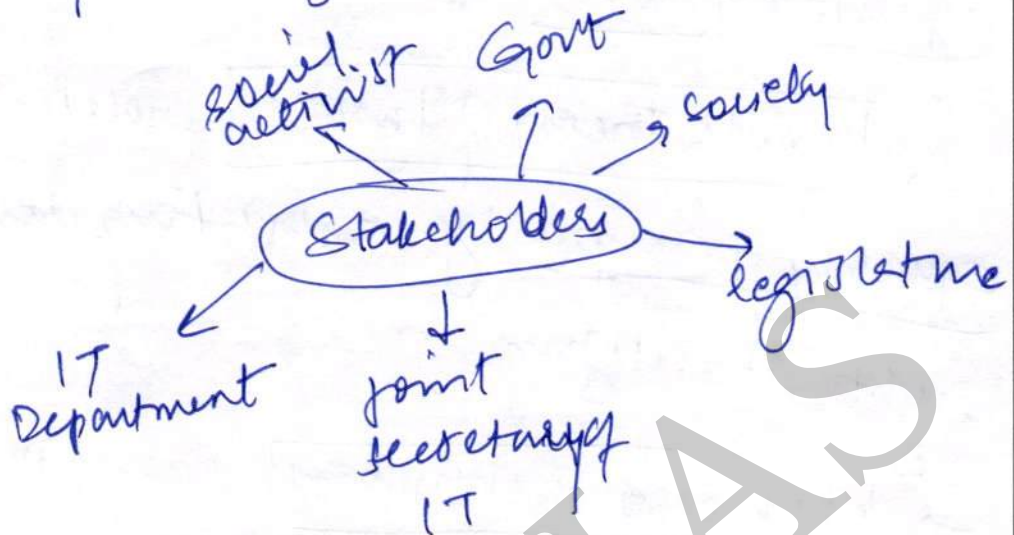
You are posted as the Joint Secretary in the Department of Information Technology of a state. The government recently implemented several citizen-centric digital services, collecting large volumes of personal data from residents. The Digital Personal Data Protection (DPDP) Act, 2023, requires that such data be processed only with explicit and informed consent, and mandates that processing must cease immediately upon withdrawal of consent.

During an internal audit, you discover that the department continues to process and analyze personal data of several citizens even after they have formally withdrawn their consent. This data is being used for policy analytics and service improvement, purposes not explicitly disclosed at the time of data collection. When you bring this to the attention of your department head, you are informed that halting the processing will disrupt ongoing digital initiatives and may affect state-level performance metrics. Moreover, you find that the consent withdrawal process is cumbersome, and many citizens are unaware of their rights under the DPDP Act.

You also learn that a prominent social activist is planning to file a complaint with the Data Protection Board against involuntary use of personal data, which could attract public scrutiny and legal action against the department.

- Identify and discuss the ethical issues involved in this case.
- What are the potential consequences for the department if the issue is not addressed transparently?
- How would you balance the need for efficient public service delivery with the obligation to protect citizens' data rights? (Answer in 250 words)

(7) The case reflects the concern of state competitiveness while violating digital rights of the citizen



(a) Ethical Issues in the case

→ violation of social contract  
 state's promise to citizen for  
 protecting rights (Thomas Hobbes)  
 digital rights

→ Categorical Imperative misuse of  
data for even noble end is unethical  
 (violates principle of universality)

→ Legal violation ⇒ violates Constitution

Executive department subverting  
legislative powers of Parliament

→ Rawls Theory of Justice violates  
equality principle by subverting digital  
rights of citizens

→ Misuse of technology | Facing problems  
of regulation & application of predictive  
analytics

→ Citizen's Apathy | Citizen not only  
beneficiaries but participants in  
governance (B.V. Nataraja)  
↳ Awareness of DPDP law

(b) Possible consequences for Department  
for lack of transparency

→ Reduce social capital & trustworthiness  
of govt → Issue will be revealed

and bring defamation  
(He has no feet)

→ Politicisation of issue By opposition

dilute the goodwill of state policies

→ Blame on the Joint Secretary of IT  
leadership holds true responsibility

→ Snowball Effect - motivate other

Central & State department to do  
same, and private sector  
affect over all governance &

Contaminating effect

→ Mass withdrawal of citizens from

DPDP ⇒ affecting the success of act &  
programme

→ Judicial Scrutiny & censure  
(Puttasamy case)  
A-19

(C) Balance public service delivery  
& citizens right

→ Principled Pragmatism - End the misuse

of data of citizens by department

→ Process and intimate citizens of data usage & formal end by accepting their withdrawal process

→ Apologise for any inconvenience & breach of commitment; punish responsible officials  
Prepare for any action by NGOs

### Systemic Reforms

→ Awareness about clauses & process of DPDP among citizens

1) Simplify the withdrawal process and others in DPDP

2) Prepare consent mechanisms for non-anonymised non-personal data for schemes & data analytics

3) Designate officials for effective oversight

As Supreme Court said - "Sunlight is best disinfectant"; the govt departments should adopt transparency for good ethical governance

8.

आप एक IAS अधिकारी हैं और वर्तमान में एक पहाड़ी राज्य में लोक निर्माण विभाग के सचिव के पद पर कार्यरत हैं। हाल ही में, एक वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के दो अभियंताओं से जुड़ी एक गंभीर घटना सामने आई है। एक महत्वपूर्ण राजमार्ग परियोजना के निरीक्षण के दौरान, मंत्री को कथित रूप से एक वीडियो में सार्वजनिक रूप से अभियंताओं के साथ शारीरिक उत्पीड़न और अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हुए देखा गया। यह वीडियो वहां से गुजर रहे लोगों द्वारा रिकॉर्ड किया गया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया तथा टेलीविजन चैनलों द्वारा भी इसे व्यापक रूप से कवर किया गया, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों में आक्रोश और समर्थन दोनों देखने को मिला। बाद में मंत्री ने अपने कृत्य का बचाव करते हुए आरोप लगाया कि संबंधित अधिकारी भ्रष्ट हैं, स्थानीय शिकायतों के प्रति अनुत्तरदायी हैं और परियोजना में अत्यधिक विलंब के लिए जिम्मेदार हैं। मंत्री द्वारा यह भी कहा गया कि उसका व्यवहार जनता की निराशा और दूरस्थ क्षेत्र में समय पर अवसंरचना के निर्माण की आवश्यकता से प्रेरित था।

हालांकि, अभियंताओं ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। साथ ही, उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर यह दावा किया है कि उन्हें इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि उन्होंने मंत्री से जुड़े स्थानीय ठेकेदारों को ठेका देने के लिए डाले जा रहे राजनीतिक दबाव का विरोध किया था। स्थिति के अधिक गंभीर होने पर, NHAI अभियंताओं के एक संघ ने मंत्री के खिलाफ कार्रवाई और अधिकारी की गरिमा की रक्षा की मांग करते हुए हड़ताल की घोषणा कर दी। इसके कारण कई महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजनाएं ठप हो गई हैं, जिनमें जनजातीय क्षेत्रों में सड़क संपर्क, मानसून पूर्व मरम्मत कार्य और सामरिक सीमा सड़कें शामिल हैं।

मुख्य सचिव ने आपको तथ्यान्वेषण रिपोर्ट तैयार करने के साथ ही राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियों के बीच सुचारू समन्वय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इस बीच, मंत्री का कार्यालय आप पर अनौपचारिक रूप से घटना को कम महत्वपूर्ण दिखाने का दबाव बना रहा है। मीडिया दो भागों में बंटा हुआ है — कुछ मंत्री को भ्रष्टाचार के विरुद्ध योद्धा के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं, जबकि अन्य इसे प्रशासनिक आचरण और विधि के शासन का गंभीर उल्लंघन बता रहे हैं। विभिन्न विभागों के सिविल सेवकों ने व्यक्तिगत सुरक्षा, गरिमा और राजनीतिक हस्तक्षेप की बढ़ती घटनाओं के संबंध में चिंता व्यक्त की है, वहीं अवरुद्ध अवसंरचना कार्यों के कारण नागरिकों में भी असंतोष बढ़ रहा है।

- (a) इस प्रकरण में शामिल प्रमुख नैतिक मुद्दे क्या हैं? हितधारकों और उनके परस्पर विरोधी हितों की पहचान कीजिए।
- (b) लोक निर्माण विभाग के सचिव के रूप में, आप उपर्युक्त स्थिति में क्या कार्रवाई करेंगे?
- (c) ऐसी घटनाएं सिविल सेवकों के मनोबल और शासन में जनता के विश्वास को कैसे प्रभावित करती हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are an IAS officer, currently serving as the Secretary of the Public Works Department in a hill state. Recently, a disturbing incident has come to light involving a senior Cabinet Minister and two engineers of the National Highways Authority of India (NHAI). During an inspection of a critical highway project, the Minister was allegedly seen on video physically assaulting and verbally abusing the engineers in full public view. The video, recorded by bystanders, went viral on social media and was widely covered by television channels, sparking both outrage and support from different sections of society. The Minister later defended his actions, alleging that the officials were corrupt, unresponsive to local grievances, and responsible for inordinate delays in the project. He insisted that his actions were driven by public frustration and the urgency of delivering infrastructure to a remote region.

However, the engineers have filed a police complaint and written to their superiors, claiming they were targeted for resisting political pressure to award contracts to specific local contractors linked to the Minister. As the situation escalated, a union of NHAI engineers declared a strike,

demanding action against the Minister and protection of officer dignity. This has brought several critical infrastructure projects to a standstill, including road connectivity to tribal areas, pre-monsoon repair works, and strategic border roads.

You have been directed by the Chief Secretary to prepare a fact-finding report, while also ensuring smooth coordination between state and central agencies. Meanwhile, the Minister's office is informally pressuring you to downplay the incident. The media is sharply divided — some portraying the Minister as a crusader against corruption, others condemning the act as a serious breach of administrative ethics and rule of law. Civil servants across departments have expressed concern about personal safety, dignity, and increasing political interference, while citizens are now growing restless due to halted infrastructure works.

- (a) What are the key ethical issues involved in this situation? Identify the stakeholders and their conflicting interests.  
(b) As the Secretary of the PWD, what actions will you take in above situation?  
(c) How do such incidents affect the morale of civil servants and public trust in governance?  
(Answer in 250 words)

20

(8) The case deals with political pressure on civil servants while ensuring the sanctity of public duty

(a) Ethical Issues in the case

→ violation of Principle of Universality

"What begins in anger, ends in shame"  
Minister, even if justified should

not even break decorum & professionalism

→ Corruption Cases

Ministry → award to favourite contractor

Civil servants → Delay in work

→ Gandhiji's Politics without

Ethics violates seven sins

Politician using media coverage for self promotion

→ Plato's philosopher king

Politician acting impulsively possibly

against public interest -

Civil servants - using strikes to

stop public welfare

Chief Secretary

Media

Engineers

IAS secretary  
PWD

Politician (Cabinet Minister)

Society & people

NHAI

Stakeholder

Central & State agencies  
Govt

Conflicting Interest

Cabinet Minister

→ Faster work completion

→ Mareissim

— considered above engineers in position

→ politicisation of issue

— consider against corruption

Engineers & Civil Servant - violation of foundational values - neutrality  
impartiality  
Political interference - affects work culture

Media - Sensationalisation

Chief Secretary - Political pressure  
Faster work completion

IAS, Secretary PWD - Dilemma balance bureaucracy & political leaders  
Public Service Delivery

(b) Action for above situation

→ Objectivity • Distance from civil servants strike

→ Holistic Interviews - Talk to all stakeholders for complete information

→ Issue of corruption in contract awards approach chief secretary for advice  
Engage Integrity Pacts

Report to investigation agency's against minister

Redo any tender awarded unfairly

• Inefficiency of civil servants — action on 'nonperformance of duty' as a form of corruption

• Maintain perseverance & motivation regardless of any pressure

• Request civil servants with objective analysis to return to work

(c) Morale of civil servants & public trust affected

→ undertake minimalist governance do only what is required (bare minimum)

→ Psychocracy of political leaders for favorable positions

→ Abandon public service for self preservation & selfish interest

→ Engage in collusive corruption affecting public well being

Civil servants need inspiration from officers like Ashok Khemka for steadfastness & government should enume Civil Servants Board to reduce political interference.

आप भारत सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (DoPT) में सचिव के पद पर कार्यरत हैं। हाल के वर्षों में, लोक सेवकों, विशेष रूप से IAS, IPS और IRS से संबंधित ऐसे युवा अधिकारियों की संख्या में वृद्धि हो रही है, जो अपने व्यक्तिगत यूट्यूब चैनल और सोशल मीडिया पेज बना रहे। इन प्लेटफार्मों पर, वे नियमित रूप से अपने आधिकारिक कार्यों — नवाचारी परियोजनाओं, जनसंपर्क पहलों, निरीक्षण यात्राओं और कभी-कभी दैनिक प्रशासनिक गतिविधियों - से संबंधित वीडियो भी पोस्ट करते हैं।

इन वीडियो पर प्रायः व्यापक रूप से जनता द्वारा ध्यान केंद्रित दिया जाता है और कई दर्शक यह कहते हुए इसकी सराहना करते हैं कि ऐसी सामग्री पारदर्शिता को बढ़ावा देती है, अभ्यर्थियों को प्रेरित करती है और नौकरशाही को मानवीय बनाती है। हालांकि, विभिन्न वर्गों से कुछ चिंताएं भी सामने आई हैं। वरिष्ठ अधिकारी तर्क देते हैं कि ऐसी सामग्री व्यक्तिगत ब्रांडिंग और लोक सेवा के बीच की सीमाओं को धुंधला कर सकती है, जबकि कुछ नागरिक और मीडिया विश्लेषक ऐसे उदाहरणों की ओर संकेत करते हैं, जहां वीडियो में बिना सहमति के सुभेद्य लाभार्थियों को दिखाया जाता है, आधिकारिक परिसरों का दुरुपयोग किया जाता है या ऐसा प्रतीत होता है कि वीडियो सार्वजनिक उत्तरदायित्व की तुलना में व्यक्तिगत लोकप्रियता बढ़ाने हेतु बनाए गए हैं।

एक प्रकरण में, एक जिलाधिकारी को एक विद्यालय के औचक निरीक्षण के दौरान शिक्षकों को कैमरे पर डांटते हुए देखा गया — यह वीडियो बाद में उनके व्यक्तिगत यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किया गया, जो मोनेटाइज भी है। कुछ लोगों ने अधिकारी द्वारा अपनाए गए सख्त रवैये की सराहना की, जबकि अन्य ने शिक्षकों को सार्वजनिक रूप से डांटने और सेवा की गरिमा का उल्लंघन करने की आलोचना की। एक अन्य मामले में, एक पुलिस अधिकारी को बाढ़ बचाव अभियान का निर्देशन करते हुए देखा गया, जहां उसके कर्मचारी ड्रोन कैमरे में माध्यम से इसे फिल्मा रहे थे, जिसे बाद में सोशल मीडिया के लिए एक प्रेरणादायक वीडियो के रूप में संपादित किया गया। आपको लोकहित, संस्थागत सत्यनिष्ठा और संचार के बदलते तरीकों के बीच संतुलन बनाए रखने हेतु अनुशंसाओं सहित एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है।

- लोक सेवकों द्वारा अपने आधिकारिक कार्यों को सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने के कृत्यों में शामिल नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।
- क्या ऐसी प्रथाएं जागरूकता और प्रेरणा को प्रोत्साहन देती हैं या क्या ये अनामिता, तटस्थता और सामूहिक सेवा भावना के मूल्यों से समझौता करती हैं? अपना मत दीजिए।
- सचिव के रूप में, लोक सेवकों की उत्तरदायी डिजिटल सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आप कौन-से मार्गदर्शक सिद्धांत और नीतिगत अनुशंसाएं सुझाएंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

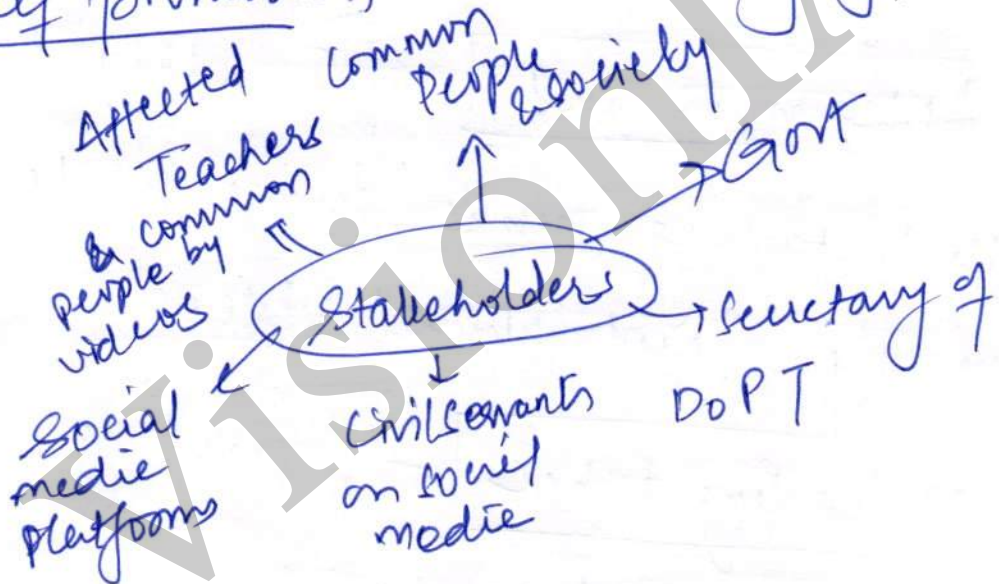
You are the Secretary in the Department of Personnel and Training (DoPT), Government of India. In recent years, an increasing number of civil servants, particularly younger officers from the IAS, IPS, and IRS, have begun maintaining personal YouTube channels and social media pages. On these platforms, they regularly post videos related to their official work — showcasing innovative projects, public outreach initiatives, inspection drives, and sometimes even day-to-day administrative duties.

These videos often receive widespread public attention, and many viewers express admiration, saying such content enhances transparency, motivates aspirants, and humanizes the bureaucracy. However, concerns have also emerged from various quarters. Senior officers argue that such content may blur the boundaries between personal branding and public service, while some citizens and media commentators point to instances where videos feature vulnerable beneficiaries without consent, raise concerns about misuse of official premises, or seem designed more for personal popularity than public accountability.

In one case, a district magistrate was seen filming a surprise school inspection in which teachers were scolded on camera — the video was later posted to his personal YouTube channel that is also monetized. While some praised the officer's strictness, others criticized the public shaming of teachers and the breach of service dignity. In another case, a police officer was seen directing a flood rescue operation while his staff filmed drone footage, later edited into a motivational video for social media. You have been asked to prepare a report with recommendations to balance public interest, institutional integrity, and evolving modes of communication.

- (a) Identify the ethical issues involved in civil servants publicly showcasing their official work on social media.
- (b) Do such practices promote awareness and motivation, or do they compromise the values of anonymity, neutrality, and collective service ethos? Give your opinion.
- (c) As the Secretary, what guiding principles and policy recommendations would you suggest to ensure responsible digital engagement by civil servants? (Answer in 250 words) 20

(c) The rising contradiction of usage of civil servants for governance or self promotion has been highlighted in the case



(a) Ethical Issues

→ violation of Foundational Civil service values

eg anonymity & impartiality

→ Violate A-19 Right to privacy  
(Puttasamy Case) - forcefully filming & insulting common people

→ Confusing 'duty as civil servant  
with social service

Obligation to public (salary from exchequer)  
not 'ruler' of public

→ Means vs End of Gandhiji  
Undertaking public service while glamorising (motivational videos)

→ Misleading public - promoting

Vigilantism tendencies  
(Cinchan Syndrome - PM Modi)

(b) Stand on such issues of Sec of DoPT  
Beneficial | Compromises

→ Transparency in  
Governance

→ Public populism  
Affect neutrality of civil servants

## Beneficial

→ Popularizing  
govt scheme  
(Eq) used in Swachh  
Bharat Abhiyan

→ Awareness &  
citizen contact  
based initiatives

→ Reveal misconduct  
of public officials  
like teachers  
(social sanction to  
improve outcomes)

## Compromises integrity

→ Sensationalism  
mislead public as  
'one man army'

→ Create false image  
of civil services

"As policy implementer  
& support to political  
executive"

not "rulers of  
state"

→ Violate separation  
of power → civil servants  
as judge & jury  
(Right to shelter  
Case - SC)

## (C) Guiding Principles & Policy Recommendations

→ [Tag] - social media of civil servants  
with necessary designation & nomenclature

→ [use it] for only public outreach

उम्मीदवारों को  
इस हार्जिए में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

and non-political discussions

→ Filming and videomaking limited

to governance related work

→ Punishment 1) for misbehaving

with people

2) Imposing one's position on others

3) unnecessary video sharing

→ Training & Awareness of civil

servants for fair use of social media

↳ For public service

↳ As permanent executive & decorm  
as official in job

The social media acts as bridge between govt & people but needs wise use to ensure rights & aspirations of people balanced with power of civil servants

आप नेशनल बायोएथिक्स कमीशन के निदेशक हैं, जो एक राष्ट्रव्यापी जीन अनुक्रमण कार्यक्रम की नैतिक व्यवहार्यता और निगरानी का आकलन करने के लिए उत्तरदायी हैं। "जीन फ्यूचर" नामक इस परियोजना का उद्देश्य प्रत्येक नवजात शिशु के डी.एन.ए का अनुक्रमण करना और उसे एक केंद्रीकृत राष्ट्रीय डेटाबेस में संग्रहीत करना है। इसका उद्देश्य जीवन की प्रारंभिक अवस्था में ही गंभीर बीमारियों के प्रति आनुवंशिक प्रवृत्तियों की पहचान करना है, ताकि निवारक उपचार और वैयक्तिकृत चिकित्सा संभव हो सके। इस कार्यक्रम के प्रायोगिक चरण में पहले ही 1,00,000 से ज्यादा शिशुओं को नामांकित किया जा चुका है। सरकार का दावा है कि यह जन स्वास्थ्य उन्नति की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

यद्यपि, नवजात शिशुओं के आनुवंशिक डेटा का संग्रह गंभीर नैतिक चिंताएँ उत्पन्न करता है, विशेष रूप से सूचित सहमति के संबंध में, जो संभवतः दीर्घकालिक जोखिमों के बारे में माता-पिता की समझ को पूरी तरह से नहीं दर्शाती है। एक बार एकत्रित हो जाने के बाद, इस संवेदनशील डेटा का दुरुपयोग निगरानी, बीमा भेदभाव या तृतीय पक्षों द्वारा व्यावसायिक विपणन जैसे उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। डेटा के स्वामित्व को लेकर अनिश्चितता—कि यह राज्य का है, माता-पिता का है, या उस बच्चे का है जब वह वयस्क होगा—इस मुद्दे को और जटिल बना देती है। निजी तकनीकी और दवा कंपनियों की संलिप्तता से वाणिज्यिक शोषण की आशंकाएं बढ़ जाती हैं, विशेष रूप से इस प्रकार के स्पष्ट तंत्र के अभाव में, जिसके तहत वयस्क होने पर व्यक्ति अपनी सहमति वापस ले सकता है या अपनी आनुवंशिक जानकारी को हटा सकता है।

- आपके विचार में जीन फ्यूचर कार्यक्रम के कार्यान्वयन में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?
- इस प्रकरण में विभिन्न हितधारकों के परस्पर विरोधी हितों की पहचान कीजिए।
- इस परियोजना के कार्यान्वयन के लिए आप किन मार्गदर्शक नैतिक सिद्धांतों की अनुशंसा करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are the Director of the National Bioethics Commission who is responsible for assessing the ethical feasibility and oversight of a nationwide gene sequencing program. The project named GeneFuture, aims to sequence the DNA of every newborn child and store it in a centralized national database. The objective is to identify genetic predispositions to serious diseases early in life, allowing for preventive treatment and personalized medicine. Over 100,000 babies have already been enrolled in the pilot phase of the program. The government claims that this move is a landmark step in public health advancement.

However, collection of newborn genetic data raises significant ethical concerns, particularly around informed consent, which may not fully capture parents' understanding of the long-term risks involved. Once gathered, this sensitive data could be misused for purposes such as surveillance, insurance discrimination, or commercial marketing by third parties. Uncertainty over data ownership—whether it lies with the state, parents, or the individual as they mature—further complicates the issue. The involvement of private tech and pharmaceutical companies heightens fears of commercial exploitation, especially in the absence of clear mechanisms for individuals to withdraw consent or delete their genetic information upon reaching adulthood.

- What are the ethical issues you perceive in the implementation of the GeneFuture program?
- Identify the conflicting interests of different stakeholders in this case.
- What guiding ethical principles would you recommend for implementation of this project?  
(Answer in 250 words)

(10) The emerging technology of genome sequencing poses ethical question on data usage of newborn's genetic data



(a) Ethical Issues

- Article 19 - SC recently upheld Right to privacy for genetic data (unnecessary DNA usage)
- Kant's Imperative only universal

laws are ethical. Above collection do not support universality

• Utilitarianism — collection of data  
will benefit many people

• Legal Ambiguity | violation of  
social contract by state  
undertaking policy without clear  
legal analysis

• Difference & Equality | Principle of Rawls — Against  
justice  
possibility of exploitation & discrimination  
of babies

• Consent — Babies as separate  
individuals, no consent taken

(b) Conflicting Interests of stakeholders

→ State — 1) Help in genetic sequences  
& exposure to disease  
2) Health-related planning

(eg) India's Genome project  
(10000+ genetic sequenced  
people's DNA)

Parents - 1) Helicopter Parenting took decision for their children without long term understanding

Individuals • lack of privacy & consent guaranteed as citizen of India (violation of rights)

Private firms → use data for private research

2) Genetic Apartheid → possible in insurance

3) Monetisation of genetic data & Biopiracy

(C) Guiding Ethical Principles of the Project

① Judicial precedents to Constitution 4-19 (Right to Privacy) should be upheld

② Complete Information - Socrates - 'No one does unethical act unknowingly'

Provide a training & awareness programme for risks & rewards in the Genefuture Programme

③ Legal & Regulatory Gaps - "Law as Guidance for Ethical Dilemma"

Seek parliamentary approval, with well defined & researched laws

④ Consent - uphold minor's consent

with parent's consent

But option of withdrawal should be given (post-13) (adolescent age) & (post-18) (adulthood)

⑤ Data Security Apparatus to stop capitalisation & misuse of data. with rising cases of Biological theft, necessary safeguards needed for smooth program of biotechnology

आप एक समर्पित जिला स्वास्थ्य अधिकारी (DHO) हैं और आप साक्ष्य-आधारित जन स्वास्थ्य पद्धतियों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता रखते हैं। हाल ही में, आपको भारत के एक दूरस्थ जिले में नियुक्त किया गया है। आपका तात्कालिक और सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य एक प्रमुख जिला-व्यापी खसरा-रूबेला (MR) टीकाकरण अभियान का नेतृत्व करना है, जिसका उद्देश्य 9 महीने से 15 वर्ष की आयु के बच्चों में 100% टीकाकरण कवरेज प्राप्त करना है। इस अभियान की सफलता हजारों बच्चों के सामूहिक स्वास्थ्य और जिले के समग्र स्वास्थ्य संकेतकों के लिए महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से तब जब आने वाला मानसून का मौसम स्वास्थ्य संबंधी अतिरिक्त चुनौतियां उत्पन्न कर सकता है।

हालांकि, आपके जिले के सबसे बड़े और सबसे पारंपरिक गाँवों में से एक में, आपको अत्यधिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है। एक प्रतिष्ठित स्थानीय आध्यात्मिक गुरु के उपदेशों से अत्यधिक प्रभावित ग्रामीणों का दृढ़ विश्वास है कि टीकाकरण दुष्ट आत्माओं का आक्रमण है एवं बाहरी ताकतों द्वारा उनकी आबादी को नियंत्रित करने का एक प्रयास है और यह उनके बच्चों में बांझपन का कारण बनेगा। वे ज़ोर देकर कहते हैं कि उनके पारंपरिक औषधीय उपचार और अनुष्ठानिक आशीर्वाद ही पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करते हैं। यह आध्यात्मिक गुरु, जो वास्तव में नेकनीयत किंतु अडिग व्यक्ति है, वास्तविक रूप से मानते हैं कि ये टीके हानिकारक होते हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपने अनुयायियों को इसका विरोध करने की सलाह दी है। इसके लिए वह टीकाकरण की कुछ कथित 'विफलताओं' और प्राचीन भविष्यवाणियों का उदाहरण देता है। पारंपरिक जीवन-शैली का पालन करने वाले समुदाय के लिए उसके निर्देश या सलाह सर्वोपरि हैं। इसके कारण व्यापक जागरूकता अभियानों के बावजूद, गाँव में टीकाकरण शिविरों का लगभग पूर्ण बहिष्कार किया गया है। आपके स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को, जिनमें से कुछ स्थानीय हैं और जिन्हें सामाजिक बहिष्कार या यहाँ तक कि शारीरिक हमले का भय है, तीव्र विरोध का सामना करना पड़ रहा है। राज्य स्वास्थ्य विभाग टीकाकरण लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अत्यधिक दबाव बना रहा है और चेतावनी दे रहा है कि यदि कोई ज़िला इन लक्ष्यों को पूरा नहीं करता है तो उसके गंभीर परिणाम होंगे। साथ ही, विभाग ने यह भी निर्देश दिया है कि बल प्रयोग किसी भी परिस्थिति में न किया जाए क्योंकि इससे जन असंतोष उत्पन्न हो सकता है। साथ ही, विभाग ने 'सहमति-आधारित' लोक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने पर भी बल दिया है। इसी बीच, एक बड़ा वार्षिक मेला आयोजित होने वाला है जिसमें कई गाँवों और क्षेत्रों से लोग शामिल होंगे। यदि यह गाँव बिना टीकाकरण के रह गया, तो इससे खसरा-रूबेला (MR) के प्रकोप के प्रसार का तात्कालिक और गंभीर खतरा है, जो पूरे जिले और संभवतः उससे आगे तक फैल सकता है।

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- इस विरोध को शांत करने के लिए आपके पास तत्काल क्या विकल्प उपलब्ध हैं?
- अंधविश्वास के व्यापक प्रभाव को दूर करने और संधारणीय लोक स्वास्थ्य परिणामों हेतु वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए आप कौन-सी दीर्घकालिक रणनीतियां और प्रणालीगत सुधारों का सुझाव देंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a dedicated District Health Officer (DHO) with a strong commitment to evidence-based public health practices, recently assigned to a remote district in India. Your immediate and most critical task is to lead a crucial district-wide Measles-Rubella (MR) vaccination drive, aimed at achieving 100% immunization coverage among children aged 9 months to 15 years. The success of this drive is vital for the collective health of thousands of children and for the district's overall health indicators, especially with the impending monsoon season posing additional health challenges.

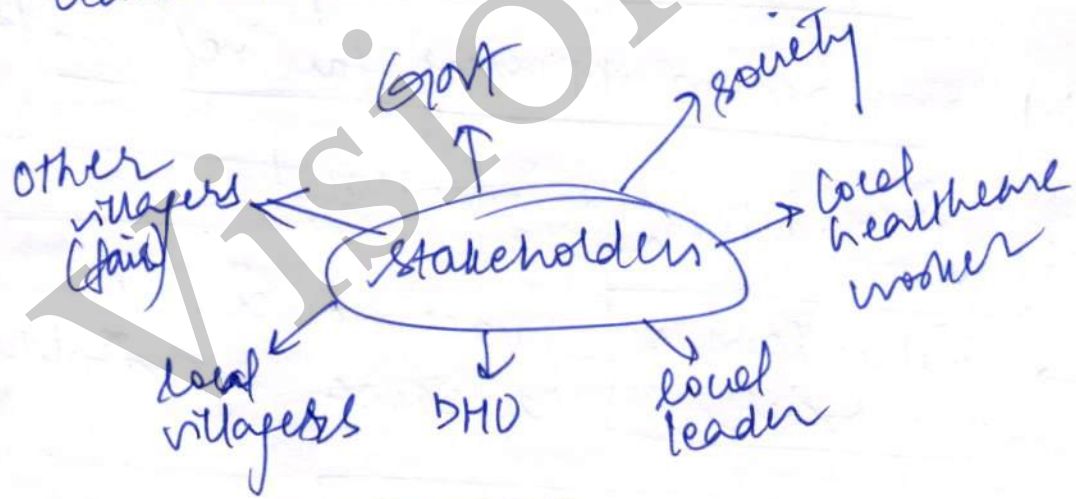
However, in one of the largest and most traditional villages in your district, you encounter formidable resistance. The villagers, deeply influenced by the pronouncements of a revered local

spiritual leader, firmly believe that vaccinations are an intrusion by malevolent spirits, an attempt by external forces to control their population, or will cause infertility in their children. They insist that their traditional herbal remedies and ritualistic blessings are sufficient protection. This spiritual leader, a genuinely well-meaning but unyielding figure, sincerely believes these vaccinations are harmful and has publicly advised his followers against them, citing anecdotal 'failures' and ancient prophecies. His word is paramount for the community's adherence to traditional ways of life. This has led to an almost complete boycott of the vaccination camps in the village, despite extensive awareness campaigns. Your health workers, some of whom are local and fear social ostracization or even physical harm, are facing intense hostility. The state health department is exerting immense pressure to achieve targets, warning of severe consequences for any district failing to meet the immunization goals. Simultaneously, they strictly caution against any use of force that could lead to public unrest, emphasizing the need for 'consensus-based' public health. An impending large annual fair, which will draw crowds from multiple villages and regions, heightens the immediate and severe risk of a rapid MR outbreak if this village remains unvaccinated, posing a grave threat to the wider district and potentially beyond.

- (a) Discuss the ethical issues involved in the above case.
- (b) What are the immediate options available to you to overcome this resistance?
- (c) What long-term strategies and systemic reforms would you suggest to address the pervasive influence of superstition and foster a scientific temperament for sustainable public health outcomes? (Answer in 250 words)

20

(11) The conflict with Indian traditions in local areas & scientific advancement is demonstrated in the case



(a) Ethical Issues in the case

→ Resistance to scientific temper - A-51A violated  
by local leaders & villagers

→ Conflict → state's civil reforms in religion  
→ Protect religious practices of villages (A-25)

→ Duty as public official → use of force unethical  
↳ Failure to persuade → inefficiency  
↳ dereliction of duty

→ Kant's scepticism → Rationality depends on perspective,

yet any person opposing fair reforms for ancient traditions is unethical

→ Public law & order → vaccine drive can cause instability

(b) Immediate Options

<u>Merit</u>	<u>Demerit</u>
<p>① <u>Forceful Drive</u></p> <p>→ <u>Attain health objectives</u></p> <p><u>End Approach</u> → save villages from MR</p>	<p>→ <u>violation of citizen's autonomy</u></p> <p>→ <u>public Backlash</u></p> <p>→ <u>state's actions</u></p>

(2) See as example

Merit

→ Role Model &

Evidence to villagers

(3) Persuade local leader

Merit

→ Support pilot based drive to test results

→ Motivate & seek villagers cooperation

(4) Resign or Reluctant

Merit

→ escape future responsibility of MR outbreak

→ understanding one's limit (self awareness & retrospection)

Demerit

→ Refuse to believe blind faith on their leaders

By evidence of epidemics & poor results of traditional medicine

Demerit

→ Public Backlash

→ Refuse to believe (blinded by faith)

Admit Defeat

Demerit

→ crisis of conscience on failure

→ voided Paternalistic government → taking action for better of people

(c) Long Term Strategies for reducing superstition & scientific temperament

→ open local schools teaching science & advancements (child socialization)

→ Awareness Camps to create scientific temper in locals

→ Demonstrate success of scientific interventions with cooperative locals

→ Increase investment on local medical infrastructure

↳ Reduce presence of quacks & spiritual leaders

→ Movies & plays in local dialect to create emotional appeal (e.g. Nautanki)

→ Authority - use of force as last resort for non cooperation

The balance of religion & science is supported by leaders like Mahatma Gandhi, Nehruji, and it should not compromise with wellbeing & quality of life of people.

आप एक अत्यंत प्रेरित और सिद्धांतवादी प्रधान ग्राम पंचायत सचिव हैं। हाल ही में, आपको एक दूरस्थ जिले में स्थित एक बड़े और सामाजिक-आर्थिक रूप से विविधतापूर्ण गाँव में पदस्थ किया गया है। आपका तात्कालिक और सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य 'ग्रामीण आवास योजना' के लाभार्थियों का सावधानीपूर्वक सत्यापन करना है — यह राज्य की एक प्रमुख आवासीय योजना है, जिसका उद्देश्य वास्तव में गरीब और भूमिहीन परिवारों को 'पक्का' (ईंटों से बना) घर उपलब्ध कराना है। इस योजना की समय-सीमा बहुत कम है और निधियों की प्राप्ति सटीक व त्वरित लाभार्थी चयन पर निर्भर करती है। जिला कलेक्टर की ओर से निष्पक्षता और पारदर्शिता पर बल देते हुए किसी भी कदाचार के विरुद्ध स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गयी है।

वर्ड क्रमांक 3 में घर-घर जाकर मेहनत से किए गए आपके सत्यापन के दौरान, आपको पता चलता है कि श्री इंदर सिंह, एक व्यापक रूप से स्वीकृत 'बाहुवली' व्यक्ति है, जिसके परिवार के पास अपनी भूमि और व्यापक स्थानीय नेटवर्क की वजह से महत्वपूर्ण अनौपचारिक शक्ति और प्रभाव है, को अस्थायी रूप से एक पात्र लाभार्थी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। अवस्थिति पर आपके द्वारा किए गए आकलन से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि श्री सिंह एक विशाल, बहुमंजिला 'पक्के' घर में रहता है और उसकी वित्तीय स्थिति 'गरीबी रेखा से नीचे' जीवन-यापन करने वाले परिवारों हेतु योजना के सख्त पात्रता मानदंडों से काफी ऊपर है। जब आप उसकी पात्रता पर प्रश्न उठाते हैं, तो श्री सिंह अत्यधिक आक्रामक हो जाता है। वह अपने परिवार के गाँव में 'अद्वितीय योगदान' और चल रहे उच्च प्राथमिकता वाले जिला स्तरीय 'जल सुरक्षा अभियान' के लिए समर्थन जुटाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का हवाला देता है। वह स्पष्ट रूप से कहता है कि उसका नाम हटाने की किसी भी कोशिश को न केवल एक गंभीर व्यक्तिगत अपमान माना जाएगा, बल्कि इससे उनके परिवार द्वारा जल अभियान से महत्वपूर्ण समर्थन भी वापस लिया जा सकता है, जिससे पूरे जिले के प्रयास खतरे में पड़ सकते हैं और इससे हज़ारों किसान प्रभावित होंगे। उसने आगे चेतावनी दी कि वह भविष्य में होने वाले विकास कार्यों के विरुद्ध व्यापक स्थानीय प्रतिरोध को उग्र कर सकता है, जिससे पंचायत का कामकाज पूरी तरह ठप्प हो जाएगा।

आप अच्छी तरह जानते हैं कि कई वास्तविक रूप से ऐसे गरीब परिवारों है जो जीर्ण-शीर्ण झोपड़ियों में रहते हैं और दशकों से ऐसी सहायता का इंतज़ार कर रहे हैं। श्री सिंह को शामिल करने से उनमें से किसी एक परिवार को अन्यायपूर्ण तरीके से बाहर करना होगा। आपके खंड विकास अधिकारी (BDO), राज्य के लक्ष्यों को पूरा करने के भारी दबाव में, आपको व्यक्तिगत तौर पर 'विनम्र' होने और सभी सरकारी योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए 'समग्र शांति और सहयोग' को प्राथमिकता देने की सलाह देते हैं। उन्होंने यह संकेत दिया है कि श्री सिंह जैसे प्रभावशाली व्यक्तियों को चुनौती देने से आपके पूरे कार्यकाल में 'अनावश्यक बाधाएं' उत्पन्न हो सकती हैं और आपकी भावी नियुक्तियां भी प्रभावित हो सकती हैं। ग्राम समुदाय, श्री सिंह के अनुचित दावे को जानकर भी, उनके विरुद्ध खुलकर बोलने से डरते हैं, जिससे उनकी अयोग्यता की बाह्य पुष्टि कठिन हो जाएगी और आप इस विषय पर अकेले पड़ जाएंगे।

- आपके समक्ष विद्यमान संभावित प्रशासनिक और नैतिक दुविधाएं क्या हैं?
- आपके लिए उपलब्ध सभी विकल्पों पर चर्चा कीजिए।
- आप अपने निर्णय का नैतिक औचित्य सिद्ध करते हुए कौन-सी व्यापक कार्यवाही करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a highly motivated and principle-driven Gram Panchayat Secretary, recently posted in a large and socio-economically diverse village in a remote district. Your immediate and most critical task is the meticulous verification of beneficiaries for the 'Gramin Awas Yojana' – a flagship state housing scheme aimed at providing 'pucca' (brick) houses to the genuinely impoverished and landless households. The scheme is under tight deadlines, with funds

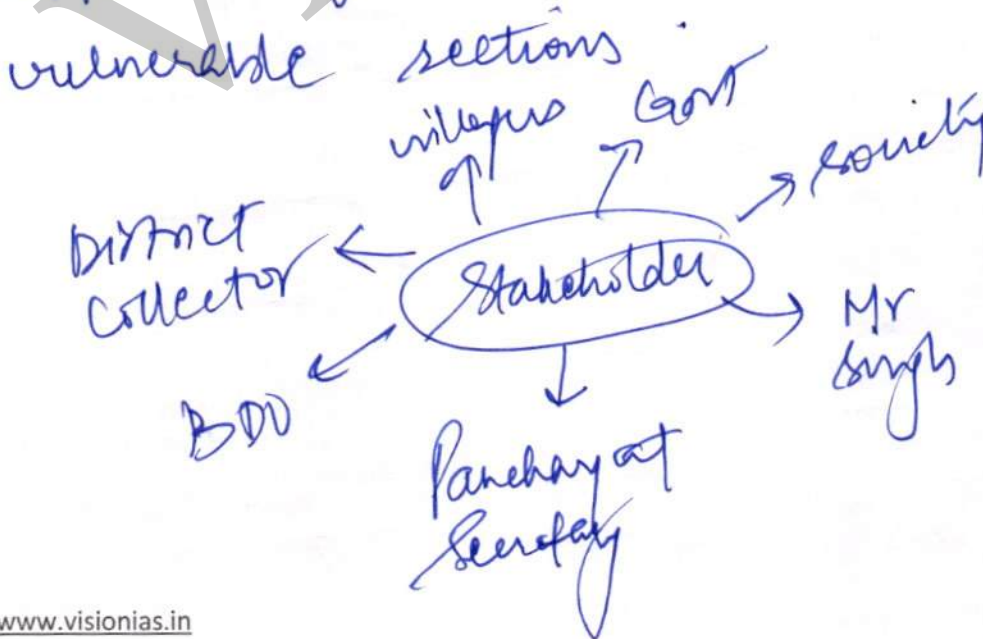
dependent on swift and accurate beneficiary selection. The District Collector has explicitly warned against any malpractices, emphasizing fairness and transparency.

During your diligent house-to-house verification in Ward No. 3, you discover that Mr. Inder Singh, a widely acknowledged 'strongman' whose family wields significant informal power and influence due to their landholdings and extensive local network, has been provisionally listed as an eligible beneficiary. Your on-ground assessment unequivocally reveals that Mr. Singh resides in a sprawling, multi-story 'pucca' house and his financial status is demonstrably far above the scheme's strict eligibility criteria for 'Below Poverty Line' families. When you subtly question his eligibility, Mr. Singh becomes overtly aggressive, citing his family's 'unparalleled contribution' to the village and his crucial role in mobilizing support for the ongoing, high-priority district-level 'Jal Suraksha Abhiyan' (Water Conservation Campaign), where his active cooperation is currently indispensable. He bluntly states that any attempt to remove his name would not only be seen as a grave personal insult but could also result in his family's withdrawal of crucial support from the water campaign, potentially jeopardizing the entire district's efforts, which affects thousands of farmers. He further warns that he can incite widespread local resistance against future developmental works, effectively paralyzing the Panchayat's functioning.

You are keenly aware that several genuinely impoverished families, living in dilapidated shacks, have been waiting for decades for such assistance, and Mr. Singh's inclusion would directly mean one of them is unjustly excluded. Your Block Development Officer (BDO), under immense pressure to meet state targets, has privately advised you to be 'flexible' and prioritize 'overall peace and cooperation' to ensure the smooth rollout of all government schemes, hinting that challenging influential individuals like Mr. Singh might create 'unnecessary roadblocks' for your entire tenure and even impact your future postings. The village community, while silently aware of Mr. Singh's undue claim, fears openly speaking against him, making external validation of his ineligibility difficult and adding to your isolation.

- (a) What are the potential administrative and ethical dilemmas you face?
- (b) Discuss all options available to you.
- (c) What comprehensive course of action would you choose to adopt, providing ethical justification for your decision? (Answer in 250 words) 20

(12) The case deals with use of strongman  
approach against govt official affecting



# a) Ethical Dilemma

→ Utilitarianism

↓  
Mrs Singh exclusion  
will affect future  
schemes

vs Kant's categorical  
imperative

↓  
unethical &  
exceptions in  
public policy not  
allowed

→ Rawls's Theory of  
justice

↓  
Protect the least  
vulnerable  
(Difference  
principle)

vs Psychological  
egoism

↓  
self preservation  
from strongmen

→ Public Duty

↓  
Honestly  
performing the  
duty of  
govt official  
(Deontological ethics)

vs Self Convenience

↓  
Ayn Rand's  
ethical  
egoism  
↓  
protect one's  
security (Gram  
Panchayat  
Secretary)

→ Govt's welfareism

↓  
"last mile reach"  
in Gram Awas  
yojana

vs Smooth  
implementation  
of scheme

↓  
Ensure easy  
villager cooperation  
(Depends on Smt)

## ca) Options Available

### Merit

#### ① Advise of District Collector

- Protection and alternate against Mr Singh's action
- Action on Mr Singh

#### ② Mobilise villagers

- Collectivism against injustice (Gandhi)'s Satyagrah)
- Reduce Mr Singh's threat in village

#### ③ Resignation/Transfer

- Do not compromise with ethics & reuse
- Safeguards oneself (ethical egoism)

### Demerit

→ Same advise as BDO → ignore me for the rest

→ seek distance & give no advise

→ Don't support in fear or self interest

→ Seek his inclusion for village's development

→ Derail the Progress of scheme

→ Crisis of conscience (violate deontology towards villagers)

Merit

Demerit

④ Approach Media

→ Moral pressure on Mr Singh & revelation of his corruption

→ Bring defameliom to Govt for acceding to strongment

c) Course of Action

→ Refuse to add Mr Singh's name

Socrates - "Speaking truth to power"

& inform both BDD & District collector of misuse of scheme by Mr Singh

→ Prepare & submit fair beneficiary list with necessary intimation of Mr Singh's blackmail & 'parallel govt' run by him to influence officials

→ Seek support of villagers to act

उम्मीदवारों को इस क्राफ में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

against corruption — "Not necessary  
to win battle but to show someone  
was there"

and "only way evil triumph is for  
good to do nothing"

→ [Failure] — seek resignation &  
become whistle blower against  
collusive corruption in scheme  
& misuse of public fund

Inform media with all  
due proofs and become activists  
to uphold sanctity of scheme.

The case shows necessary  
perseverence & motivations to  
uphold sanctity of govt schemes &  
Antyodaya samadaya despite one's  
self interest

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

AL

VisionIAS